मनमाड मुदखेड़ लाईन को बड़ी लाइन में बदलना

6425. **श्री केशव राव धोंडगे :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महाराष्ट्र में मनमाड मुदखेड़ लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का कार्य कब प्रारम्भ किया गया था ;

(ख) इस पर अब तक कितना व्यय हुआ है ; और

(ग) यदि यह कार्य अभी तक प्रारम्भ नहीं किया गया तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) से (ग) संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण मनमाड-परभनी-पुर्ली-बैजनाथ आमान परिवर्तन परियोजना पर काम शुरु करना अभी तक संभव नहीं हो पाया है। अब इस परियोजना के मनमाड-औरंगाबाद खंड के प्रथम चरण का काम 1978–79 के दौरान शुरू करने का प्रस्ताव है और इस प्रयोजन के लिए 25 लाख रुपये के परिव्यय की व्यवस्था की गयी है। परभनी-मुदखेड़ खंड के आमान परिवर्तन के लिए सर्वेक्षण का काम महाराष्ट्र सरकार के खर्च पर किया गया है और सर्वेक्षण रिपोर्टों की जांच की जा रही है।

Railway Maintenance Workshops

6426. SHRI S. S. LAL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a strange disease has developed among the technical workers in the railways maintenance workshops in the country;

(b) if so, whether the Government have set up a high powered experts' committee to go into the details and find out the causes of the same; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No.

(b) and (c). Do not arise.

सिंदरी उर्वरक कारखाने का आधुनिकीकरण

6427. **श्री रामसेवक हजारी :** क्या पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सिंदरी उर्वरक कारखाने का आधुनिकीकरण किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ;

(ख) उस पर कितनी लागत आयेगी और इस कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है ; और

(ग) इस के परिणामस्वरूप उर्वरक के उत्पादन में कितनी वृद्धि होने की सम्भावना है और इससे अन्य कम्पनियों को नई तकनीक और जानकारी प्राप्त करने में कितनी सहायता मिलेगी ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : (क) से (ग) जी, हां। सिन्दरी में वर्तमान संयंत्र जो संभरण सामग्री के रूप में कोक और कोक ओवन गैस और प्रोद्योगिकी पर आधारित हैं की आर्थिक दृष्टि से उपयोगिता समाप्त हो गई है। अमोनिया उपलब्धता में सुधार करने और वर्तमान संयंत्र में उत्पादन में प्रधान बाधाओं पर काबू पाने के लिए आधुनिकीकरण की एक योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना में ईंधन तेल के आंशिक आक्सीजेषन पर आधारित प्रतिदिन 900 मी०टन अमोनिया संयंत्र को स्थापित करना शामिल है। इस

संयंत्र से प्रतिदिन 600 मी०टन अमोनिया का नए संयंत्र में प्रतिदिन 1000 मी०टन यूरिया के उत्पादन के लिए प्रयोग किया जाएगा और शेष अमोनिया का अमोनियम सल्फेट के उत्पादन के लिए वर्तमान सुविधाओं में प्रयोग किया जाएगा।

सिन्दरी आधुनिकी करण परियोजना की वर्तमान अनुमानित लागत 152.04 करोड़ रुपये है। परियोजना जिसकी मूलतः नवम्बर 1977 तक यांत्रिक रूप में पूरा होने की संभावना थी अब उसकी 1978 तक पूरी होने की संभावना है। आधुनिकी करण योजना न केवल वर्तमान सुविधाओं में अमोनियम सल्फेट के उत्पादन के लिए अमोनिया की सप्लाई जारी रखेगी अपितु यूरिया के रूप में प्रतिवर्ष 129,000 मी०टन की अतिरिक्त उर्वरक क्षमता भी बढ़ाएगी।

Number of Railway Coolies

6428. SHRI B. C. KAMBLE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the total number of railway coolies and the class IV Railway servants in Central, Western, Southern and Eastern Railways' who are temporary.

(b) the maximum period of service and minimum period of service these employees have put in together till today; and

(c) whether Government propose ot issue orders to make them permanent, if any one of them has put in all three years service?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (c). Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

Maintenance of Tunnels between Gauhati and Silchar

6429. SHRI AHMED HUSSAIN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the condition of the existing (forty) Tunnels and Bridges between Gauhati and Silchar is deteriorating day by day and the Railways cannot assure safety (journey) on this line;

(b) what is the amount, if any, spent by the Railways on maintenance of these tunnels and bridges, year-wise, during the last 10 years and amount spent on Patrolling these tunnels, etc. during the last three years and action taken to avoid Bijni (Bongaigaon) type of accident on this Gauhati-Silchar route;

(c) what is the financial aspect involved in reconstructing the entire tunnels and bridges, in order to provide safer journey;

(d) whether it is also a fact that in view of the financial aspects, the Railway Board proposes to divert the existing line and if so, the details of such proposals; and

(e) what is the proposal of Government to modernise this Route during the next three years, as part of Government's policy to develop Backward and Rural areas in so far as this line is concerned?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No. All the bridges and tunnels are regularly inspected every year at various levels and necessary repairs/maintenance carried out regularly. Strengthening, rebuilding or regirdering of bridges is taken up on a programmed basis wherever considered necessary.